कार्यालय नगर निगम, उदयपुर (राज.)

क्रमांकः— दिनांकः—

प्रेस नोट

आज दिनांक को भारत सरकार के दिशा निर्देश के अनुसार स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत शहरी उर्जा खपत के न्यूनतम 10 प्रतिशत खपत की पूर्ति सौर उर्जा के माध्यम से किये जाने एवं उदयपुर स्मार्ट सिटी के प्रस्ताव के तहत भी सौर उर्जा के अधिकाधिक उपयोग को बढावा दिये जाने हेतु सौर उर्जा संगोष्ठी का आयोजन नगर निगम उदयपुर एवं उदयपुर स्मार्ट सिटी की ओर से नगर निगम के नवीन सभागार भवन में किया गया। जिसमें उदयपुर शहर में सौर उर्जा निजी, सार्वजनिक तथा सरकारी स्थलों पर सौर उर्जा के उपयोग को बढावा देने एवं इस सम्बन्ध में तकनिकी जानकारी तथा सौर उर्जा के उपयोग करने पर सरकारी की ओर से दी जाने वाली सब्सिडी की जानकारी विषय विशेषज्ञों, विभाग अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। संगोष्ठी में श्री चन्द्र सिंह कोठारी, महापौर, नगर निगम द्वारा उपस्थित जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को अवगत कराया गया कि सौर उर्जा प्लांट स्थापित किये वाले आवासीय परिवारों वालों को केन्द्र सरकार द्वारा जारी 30 प्रतिशत सब्सिडी के अलावा 10 प्रतिशत सब्सिडी नगर निगम, उदयपुर द्वारा प्रदान की जायेगीं।

महापौर महोदय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी व आयुक्त, नगर निगम उदयपुर, महेश त्रिवेदी, अध्यक्ष विद्युत समिति, नगर निगम उदयपुर एवं उपस्थित उर्जा निगम के प्रतिनिधियों द्वारा संगोष्ठी में जन प्रतिनिधियों द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब में पूर्ण रूप से स्पष्ट रूप से आम नागरिकों द्वारा सौर उर्जा प्लांट में आ सकने वाली कठिनाइयों के प्रति उत्तर में बताया गया कि केन्द्र सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी सौर उर्जा प्लांट स्थापित करने हेतु नामित 26 कम्पनियों को सब्सिडी दिये जाने हेतु अधिकृत कर दिया गया है। जिसके तहत सौर उर्जा प्लांट लगाने वाले प्रार्थीयों को केवल 70 प्रतिशत ही राशि का भुगतान करना होगा एवं 10 प्रतिशत राशि का अनुदान नगर निगम उदयपुर द्वारा दिया जायेगा।

संगोष्ठी में राजस्थान इलेक्ट्रोनिक्स और उपकरण लिमिटेड, राजस्थान अक्षय उर्जा निगम लिमिटेड द्वारा भी सौर उर्जा द्वारा होने वाली बिजली की बचत के बारे में बताया गया कि न्यूनतम एक किलों वाट तक का सौर उर्जा प्लांट लगाये जाने पर न्यूनतम चार से पांच युनिट बिजली की बचत होगी एवं एक से पांच किलो वाट तक सौर उर्जा प्लांट लगाने हेतु न्यूनतम 12 वर्गमीटर छत होनी चाहिए।

संगोष्ठी में उपमहापौर, नगर निगम के समस्त पार्षदगण, सभी राजकीय विभाग एवं सौर उर्जा बिजली कम्पनियों के अधिकारी उपस्थित थें।